www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 आधुनिक भारत के शिल्पकार श्रद्धेय...
3 चाइनीज मांझे के खिलाफ डीआईजी को सौंपा ज्ञापन
4 हरियाणा के सरकारी स्कूल की बेटी ने रचा...

वर्षः 10 | अंकः 62 | दिल्ली, गुरुवार, 25 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

अरावली में कोई माइनिंग लीज नहीं दी जाएगी

अरावली (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को राज्यों को निर्देश दिया कि वे पूरी अरावली पर्वतमाला में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएं। यह प्रतिबंध अरावली क्षेत्र में समान रूप से लागू होगा और इसका उद्देश्य पर्वतमाला को एक सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में संरक्षित करना है, साथ ही उन अवैध और अनियमित खनन गतिविधियों को समाप्त करना है जिनसे वर्षों से व्यापक पर्यावरणीय क्षति हुई है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार दिल्ली से गुजरात तक फैली संपूर्ण अरावली पर्वतमाला को अवैध खनन से बचाने और संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राज्यों को अरावली में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए हैं। यह प्रतिबंध संपूर्ण अरावली भूभाग पर समान रूप से लागू होता है और इसका उद्देश्य पर्वतमाला की अखंडता को संरक्षित करना है। इन निर्देशों का उद्देश्य गुजरात से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक फैली एक सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में अरावली की रक्षा करना और सभी अनियमित खनन गतिविधियों को रोकना है।

दिल्ली-एनसीआर में हटा जीआरएपी-4, पाबंदियां अब भी रहेंगी लागू

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बुधवार को जीआरएपी-IV के तहत लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने का आदेश जारी किया, क्योंकि पिछले कुछ दिनों में शहर में वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक बयान में कहा कि तेज हवाओं और अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण कल रात से दिल्ली के वायु गुणवत्ता स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सीएक्यूएम ने बताया कि बुधवार को वायु गुणवत्ता स्तर 271 ('खराब' श्रेणी) दर्ज किया गया। हालांकि, आयोग ने एक नई चिंता भी जताई- 'आईएमडी/आईआईटीएम द्वारा जारी वायु गुणवत्ता पूवार्नुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में हवाओं की गति धीमी होने के कारण दिल्ली के वायु गुणवत्ता स्तर में वृद्धि हो सकती है।' गौरतलब है कि 13 दिसंबर को वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 से ऊपर जाने के बाद CAQM ने GRAP-4 लागू किया था, जिसका मतलब था कि वायु गुणवत्ता "गंभीर" थी। हालांकि, GRAP 1 से 3 के तहत अन्य सभी प्रतिबंध प्रभावी रहेंगे।

'भारत टैक्सी' शुरू करेगी सरकार-अमित शाह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार जल्द ही 'भारत टैक्सी' सेवा शुरू करेगी, जिसके तहत लाभ का कुछ हिस्सा चालकों के साथ साझा किया जाएगा। पंचकुला में सहकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों की सुविधा में सुधार के साथ-साथ चालकों की आय में वृद्धि करना है। अमित शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की पहल के माध्यम से, हम जल्द ही 'भारत टैक्सी' शुरू करेंगे, जिसका पूरा लाभ चालक भाइयों को मिलेगा। इससे ग्राहकों की सुविधा बढ़ेगी और चालकों का लाभ भी बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा के राष्ट्र-उन्मुख योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और खेल जगत में उत्कृष्टता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने देश की खाद्य सुरक्षा और खेल उपलब्धियों में निरंतर योगदान दिया है, और राज्य के किसानों ने कई मोर्चों पर देश को गौरवान्वित किया है।

मोदी सरकार ने 12015 करोड़ में 13 नए स्टेशनों को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार (24 दिसंबर) को दिल्ली मेट्रो परियोजना के विस्तार को मंजूरी दे दी है, जिसकी लागत 12,015 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार करना और यातायात की भीड़ को कम करना है। दिल्ली मेट्रो के चरण 5ए में 13 नए स्टेशन होंगे। प्रस्तावित विस्तार से 16 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन बनेगी जिसमें 13 स्टेशन होंगे - 10 भूमिगत और तीन एलिवेटेड। परियोजना पूरी होने पर दिल्ली मेट्रो नेटवर्क 400 किलोमीटर से अधिक लंबा हो जाएगा।

संसद खेल महोत्सव देश में जमीनी स्तर पर खेल के दृष्टिकोण को दर्शाता है-उपराष्ट्रपति

'खेल अनुशासन, चरित्र और राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण करते हैं'

संजना भारती/पीआईबी

आगरा। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक शहर आगरा में आयोजित तीसरे संसद खेल महोत्सव में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लिया। यह आयोजन युवा खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की उत्साहजनक भागीदारी से जमीनी स्तर की बढ़ती खेल संस्कृति को दर्शाता है।

उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में संसद खेल महोत्सव का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। खेलों से अपना व्यक्तिगत जुड़ाव साझा करते हुए उन्होंने स्कूल-कॉलेज के दिनों में खेलों में अपनी उत्साहपूर्वक भागीदारी और टेबल टेनिस में कॉलेज चैंपियन रहने का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि लंबी दूरी की दौड में भी उन्होंने हिस्सा लिया है और क्रिकेट तथा वॉलीबॉल जैसे खेलों में उनकी रूचि रही है। श्री राधाकृष्णन ने शारीरिक चाक-चौबंद और मानसिक दृढ़ता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि खेल पृष्ठभूमि से ही उन्हें कठिन पदयात्रा और 19 हजार किलोमीटर की रथयात्रा करने में मदद मिली।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के प्राचीन ज्ञान ने हमेशा मन और शरीर के तालमेल को महत्व दिया है। उन्होंने खेलों को केवल प्रतिस्पर्धी गतिविधियों की बजाय, चरित्र निर्माण का शक्तिशाली साधन बताया, जो अनुशासन, दृढ़ता, समूह भावना और नियमों का सम्मान जैसे मूल्य विकसित करते हैं। ये गुण व्यक्तिगत विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक हैं। श्री राधाकृष्णन ने कहा कि संसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन की जमीनी स्तर पर इन मूल्यों को पोषित करने में अहम भूमिका है।

महानगरों से बाहर खेलों को बढ़ावा देने के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए श्री राधाकृष्णन ने पिछले 11 वर्षों में भारत के खेल तंत्र में आए संरचनात्मक बदलाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट और स्वदेशी खेलों को समर्थन दिए जाने जैसी पहल राष्ट्र के विकास का समग्र दृष्टिकोण दशार्ती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने खेलों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है। उन्होंने अस्मिता महिला लीग जैसी पहल का उदाहरण देते हुए खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाए जाने के केन्द्रित प्रयासों की चर्चा की।

युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की चुनौती पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि खेल, नशामुक्त भारत के निर्माण के सबसे प्रभावी उपायों में से एक हैं। उन्होंने युवाओं से नशीली दवाओं को ना कहने और खेलों को हां कहने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ और सक्रिय युवा ही एक मजबूत राष्ट्र का आधार है। उपराष्ट्रपति ने बच्चों और युवाओं को खेलों में भाग लेने को प्रोत्साहित करने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों का आह्वान करते हुए चरित्र निर्माण और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने संतुलित शिक्षा प्रणाली का पक्ष रखा, जो शिक्षा और खेल दोनों को समान महत्व देती है।

संसद खेल महोत्सव आगरा में 21 से 25 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। पांच दिनों के इस महोत्सव के दौरान 33 से अधिक टीम और व्यक्तिगत खेल प्रतिस्पर्धाओं में हजारों निवासी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन तथा पंचायती राज राज्य मंत्री और आगरा से सांसद प्रो. एस.पी.सिंह बघेल; उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गोरखपुर का आदिवासी बहुल वनटांगिया गांव बनेगा प्रदेश का पहला 'जल अर्पण गांव'

पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में 26 दिसंबर को ग्राम पंचायत को सौंपा जाएगा हर घर जल अभियान का दायित्व

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में हर घर जल अभियान एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंचने जा रहा है। इसी कड़ी में गोरखपुर का वनटांगिया गांव (आदिवासी बहुल गांव) प्रदेश का पहला और देश का दूसरा जल अर्पण गांव बनने जा रहा है। यह पहल ग्रामीण भारत में सुरक्षित, शुद्ध और निरंतर पेयजल आपूर्ति के नए मॉडल के रूप में स्थापित होगी। इसके तहत, जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल अभियान का दायित्व ग्राम पंचायत को सौंप दिया जाएगा।

तीन महीने तक चले सफल ट्रायल के बाद अब इस योजना को औपचारिक रूप से जनता को समर्पित किया जा रहा है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के विजन से 26 दिसंबर को वनटांगिया गांव से जल जीवन मिशन योजना से संबंधित हर काम पंचायतों के जिम्मे सौंपा जाएगा। इसके साथ ही जंगल तीनकोनिया नंबर तीन गांव पंचायतों के अधीन देश का दूसरा ऐसा गांव बनेगा, जो ग्राम स्वशासन और बुनियादी सुविधाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा उदाहरण होगा।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका दीर्घकालिक और टिकाऊ मॉडल है। पेयजल आपूर्ति की जिम्मेदारी संभालने वाली कार्यदायी एजेंसी अगले 10 वर्षों तक संचालन, रखरखाव और गुणवत्ता की सतत निगरानी करेगी। इससे ग्रामीणों को बिना रुकावट, मानक के अनुरूप नल से शुद्ध जल उपलब्ध होता रहेगा। वनटांगिया गांव से शुरू हो रहा यह अभियान पूरे प्रदेश के लिए रोल मॉडल बनेगा। योगी सरकार का लक्ष्य है कि इस मॉडल को चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के हर जिले और हर गांव तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री के साथ प्रधानमंत्री कार्यालय के अफसरों की एक्सपर्ट टीम भी योजना की प्रगति, गुणवत्ता और पारदर्शिता पर लगातार बारीक नजर रखे हुए है। वनटांगिया दलित और आदिवासी बहुल गांव है। यहां से प्रदेश की इस बड़ी योजना की शुरूआत करना योगी आदित्यनाथ सरकार की पिछड़े समुदाय की बेहतरी को लेकर प्राथमिकता से किए जा रहे प्रयासों का सशक्त उदाहरण है।

प्रदेश स्तर पर हर घर जल अभियान के तहत 51 हजार गांवों (राजस्व गांव) में 100 प्रतिशत जलापूर्ति सुनिश्चित की गई है। अब तक प्रदेश के 26,531 राजस्व गांव 'हर घर जल' से प्रमाणित हो चुके हैं। गोरखपुर जिले में ही 5,55,478 परिवारों को नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, जो योजना की जमीनी सफलता को दर्शाता है।

पूरे प्रदेश में आने वाले दिनों में इस कार्यक्रम के तहत हर जिले के सांसद और क्षेत्रीय विधायक की सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। गोरखपुर में होने जा रहे आयोजन के मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन होंगे। जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से योजना को सामाजिक स्वीकार्यता और मजबूती मिलेगी। 26 दिसंबर की दोपहर वनटांगिया गांव के हेलीपैड ग्राउंड में एक भव्य समारोह में यह आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्राम पंचायत को जल कलश सौंपा जाएगा। कार्यक्रम के लिए जिलाधिकारी, सीडीओ और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हरियाणा को दी कई सौगात

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पंचकुला आगमन पर हरियाणा को एक साथ कई सौगातें दी हैं। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित थे। शाह यहां सहकारी सम्मेलन में पहुंचे थे।

इस अवसर पर सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि अमित शाह ने जिला भिवानी में दूध शीतकरण केंद्र सलेमपुर प्लांट, जिला रेवाड़ी के हैफेड आटा मिल जाटूसाना तथा सहकारिता मंत्रालय द्वारा तैयार आईवाईसी के पोर्टल का पंचकुला से रिमोट द्वारा ई-लोकार्पण किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने इसी अवसर पर हरियाणा राज्य सहकारी बैंकों के 5 लाभार्थियों को रुपे -प्लैटिनम डेबिट कार्ड तथा हरियाणा में कृभको द्वारा बनाए गए 2 एम-पैक्स के अध्यक्षों को पंजीकरण प्रमाण-पत्र का वितरण किया। उन्होंने कृभको द्वारा तैयार आईवाईसी के समारोहों पर आधारित वर्ष पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, सहकारिता मंत्री अरविन्द शर्मा, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी, खेल मंत्री गौरव गौतम, हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के अलावा कृभको के अध्यक्ष वी सुधाकर चौधरी, प्रबंध निदेशक एस एस यादव भी उपस्थित थे।

अटल जनसेवा को समर्पित दौड़ को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिखाई हरी झंडी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित यवनिका पार्क से हरियाणा पुलिस के बैच संख्या-93 के जवानों द्वारा आयोजित अटल जनसेवा को समर्पित दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती की स्मृति में आयोजित यह दौड़ एकता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना का प्रेरणास्पद प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आज सांय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह भारतीय पुलिस के इतिहास के सबसे बड़े पुलिस पासिंग-आउट बैच को सामूहिक शपथ दिलवाएंगे। इस ऐतिहासिक बैच में कुल 5,061 जवान शामिल हैं, जिनमें 4,191 पुरुष एवं 870 महिला जवान हैं। इस प्रकार, इस बैच में 20.75 प्रतिशत महिला भागीदारी सुनिश्चित हुई है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में हरियाणा पुलिस में महिलाओं की भागीदारी मात्र 3 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर 10 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। राज्य सरकार ने इसे आगामी वर्षों में 25 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि प्रदेश में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे व्यापक अभियान में हरियाणा पुलिस की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। नवप्रशिक्षित जवान इस अभियान के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि यह दौड़ 39 सप्ताह के कठोर प्रशिक्षण की सफल पूर्णता का प्रमाण है तथा पुलिसिंग और कर्मयोगी पाठ्यक्रम के उन मूल्यों को व्यवहार में उतारने की शुरूआत है, जिन्हें जवानों ने प्रशिक्षण के दौरान आत्मसात किया है। इस दौड़ में ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए 4,252 जवान तथा शहरी पृष्ठभूमि के 809 जवान एक साथ कदमताल कर रहे हैं, जो पूरे हरियाणा की सामाजिक एकता और समरसता का सशक्त संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बैच की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि लगभग 85 प्रतिशत जवान स्नातक एवं स्नातकोत्तर हैं। इनमें से 2,390 जवान (50 प्रतिशत से अधिक) 26 वर्ष से कम आयु के हैं, जो हरियाणा पुलिस में नई ऊर्जा, आधुनिक दृष्टिकोण और कार्यकुशलता का संचार करेंगे। उन्होंने कहा कि यह दौड़ केवल एक शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि योग, पी.टी. एवं आत्मरक्षा जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से विकसित आत्मबल और अनुशासन का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि इन जवानों ने 9 अप्रैल 2025 को उत्साहपूर्वक 1,356 यूनिट रक्तदान कर समाजसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, पूर्व विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, पुलिस महानिदेशक ओ पी सिंह, हरियाणा पुलिस अकादमी के निदेशक डॉ अरशिंदर सिंह चावला, उपयुक्त सतपाल शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक पंकज नैन, भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष, बंतो कटारिया, ओम प्रकाश देवीनगर, दीपक शर्मा सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

निधि योजनाः यूपी में महिला उद्यमिता को मिल रहा मजबूत आधार

योगी सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को केवल श्रम शक्ति का नहीं बल्कि उद्यम शक्ति का केंद्र बनाना है

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने साढ़े आठ वर्षों में प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति दी है। कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सरकार का फोकस नवाचार उद्यमिता और आत्मनिर्भरता पर है। इसी सोच के अनुरूप केंद्र सरकार की निधि योजना का प्रभाव उत्तर प्रदेश में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप्स खासकर महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए प्रदेश में एक सकारात्मक और भरोसेमंद वातावरण तैयार हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को केवल श्रम शक्ति का नहीं बल्कि उद्यम शक्ति का केंद्र बनाना है।

निधि कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2016 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा की गई थी। इस योजना का उद्देश्य प्रारंभिक चरण के विज्ञान एवं तकनीक आधारित स्टार्टअप्स को वित्तीय और संस्थागत सहायता देना है। योजना के अंतर्गत देश में कुल 714 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स सहायता दी जा चुकी है। वर्ष 2017-18 में 23 महिला स्टार्टअप्स को सहायता मिली, वर्ष 2023-24 में 152, 2024-25 में 140 और वर्ष 2025-26 में 84 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को समर्थन दिया गया। निधि कार्यक्रम के

अंतर्गत देश भर में महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को शुरूआती स्तर पर सहायता दी जा रही है। इस राष्ट्रीय पहल में उत्तर प्रदेश ने भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रदेश में 25 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को निधि योजना के तहत वित्तीय और तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ है। यह इस बात का संकेत है कि प्रदेश की महिलाएं अब केवल रोजगार की तलाश में नहीं हैं बल्कि रोजगार देने वाली उद्यमी बनने की दिशा में आगे कदम बढ़ा रही है। योगी सरकार की स्टार्टअप नीति और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं ने इस बदलाव को गति दी है।

उत्तर प्रदेश में निधि प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर (टीबीआई) और समावेशी प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर (आईटीबीआई) की स्थापना योगी सरकार के विकास मॉडल की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

मान सरकार ने वर्ष 2025 में किसानों की खुशहाली के लिए की महत्वपूर्ण पहलकदमियां

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की पहलकदमों के कारण वर्ष 2025 में पंजाब के कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आए हैं। इस वर्ष प्रदेश सरकार द्वारा गन्ने की फसल के भाव में की रिकॉर्ड वृद्धि, फसली विविधता अभियान तथा टिकाऊ प्रथाओं के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण प्रदेश में कृषि खुशहाली के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया गया है।

पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने इस वर्ष की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य

किसानों को सशक्त बनाने के साथ-साथ पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि हमारी योजनाएं मिसाली बदलाव लायी है तथा गन्ने की कीमत में की रिकॉर्ड बढ़ोतरी किसानों की कड़ी मेहनत के सम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने देश में गन्ने के लिए सबसे अधिक 416 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से स्टेट एग्रीड प्राइस (एस.ए.पी.) देने की घोषणा की है जो पिछले वर्ष से 15 रुपये अधिक है। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश के गन्ना उत्पादकों को देश भर में सबसे अधिक कीमत दी जाए। प्रदेश सरकार के अथक प्रयासों के कारण खरीफ सीजन के दौरान पराली जलाने की घटनाओं में 53 प्रतिशत कमी आई है। इस वर्ष पराली जलाने के मामले घटकर 5,114 रह गए जो वर्ष 2024 में 10,909 थे।

सम्पादकीय

सीयूईटी 2026 के शेड्यूल में होंगे कई बदलाव

कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट 2026 के शेड्यूल में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। हाल ही के में सेंट्रल यूनिवर्सिटीज समेत उच्च शिक्षा संस्थानों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के सामने सीयूईटी की प्रक्रिया में देरी पर सवाल उठाया था। साल 2025 में CUET का रिजल्ट 04 जुलाई को आया था। जिसके कारण दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में हजारों सीटें खाली रह गई थीं। ऐसे में अब परीक्षा की टाइमिंग की समीक्षा की जा रही है। वहीं शिक्षा मंत्रालय रिजल्ट का भी मामला देख रहा है। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए हम CUET एडमिशन को लेकर लेटेस्ट अपडेट और महत्वपूर्ण डिटेल्स आदि के बारे में बताने जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जल्द ही शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी सीयूईटी के शेड्यूल को लेकर NTA के साथ बैठक करेंगे। इसका लक्ष्य है कि 15 जून से यूनिवर्सिटीज अपना एडमिशन प्रोसेस शुरूकर सकें। जिससे जुलाई की शुरूआत तक एडमिशन के एक या दो राउंड पूरा हो सके। जेईई मेन का पहला चरण 21 से 30 जनवरी और दूसरे चरण का एग्जाम 2-9 अप्रैल के बीच होगी। वहीं मई के पहले सप्ताह में मेडिकल एग्जाम नीट होगा। इसके बाद सीयूईटी होता है। साल 2025 में सीयूईटी यूजी में 10.71 लाख छात्र शामिल हुए। वहीं 13 मई से 04 जून 2025 तक एग्जाम आयोजित हुआ था। इस बार सीयूईटी एग्जाम को 7-10 दिन पहले शुरू किया जा सकता है। इस बार रिजल्ट जल्दी घोषित करने पर फोकस किया जाएगा। जून के पहले या दूसरे हफ्ते तक रिजल्ट आता है। वहीं जुलाई की शुरूआत तक यूनिवर्सिटी के एडमिशन के एक या दो राउंड पूरे हो सकेंगे। इस तरह से सीटों के खाली रहने की समस्या को काफी हद तक सॉल्व किया जा सकेगा। जब रिजल्ट देर से आता है, तो स्टूडेंट्स दूसरे संस्थानों में एडमिशन ले लेते हैं। फिर छात्रों को फीस वापस लेने में समस्या होती है। दिल्ली यूनिवर्सिटी में सीटें खाली रहने की एक यह वजह यह है कि स्टूडेंट्स लौट नहीं पाते हैं। एनटीए 2026 का एग्जाम कैलेंडर तैयार कर रहा है। वहीं अगले 10 दिनों में इसको जारी कर दिया जाएगा। एनटीए ने इससे पहले एक बार सितंबर 2023 में परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया। लेकिन इसके बाद ऐसा नहीं हो पाया। हालांकि इस बार शिक्षा मंत्रालय काफी गंभीर है और एनटीए को परीक्षा कैलेंडर जारी करने को कहा है। जिससे की छात्रों को समय पर परीक्षा की जानकारी मिल सके। वहीं अक्तूबर-नवंबर में एनटीए का एग्जाम का सर्कल शुरू हो गया है। सीयूईटी एग्जाम कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में होगा। वहीं शिक्षा मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों की एडिकल एग्जाम नीट के बारे में जल्द ही बैठक होगी।

जयंती

अटल बिहारी वाजपेयी

जन्म-25 दिसंबर, 1924, ग्वालियर; मृत्यु-16 अगस्त, 2018, नई दिल्ली) का नाम भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्रियों में लिया जाता है। नरसिम्हा राव के बाद 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी मात्र 13 दिन के लिए ही प्रधानमंत्री बने। इसके बाद 1998 में हुए चुनावों के माध्यम से वह दोबारा प्रधानमंत्री बने। इस कारण 1996 और 1998 के मध्य बने दो प्रधानमंत्रियों-एच. डी. देवगौड़ा तथा इन्द्र कुमार गुजराल को आगे स्थान दिया गया है। तत्पश्चात अटल बिहारी वाजपेयी अक्टूबर, 1999 में पुनः प्रधानमंत्री बने और यह कार्यकाल उन्होंने अत्यन्त सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इसके पूर्व वह अप्रैल, 1999 से अक्टूबर, 1999 तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री भी रहे।

पुण्यतिथि

ज्ञानी जैल सिंह

जन्म-5 मई, 1916; मृत्यु-25 दिसंबर, 1994) सिख धर्म के विद्वान पंजाब के मुख्यमंत्री रह चुके थे। वह अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति, सत्यनिष्ठा के राजनीतिक कठिन रास्तों को पार करते हुए भारत के राष्ट्रपति पद पर पहुँचे। 1982 में भारत के गौरवमयी राष्ट्रपति के पद पर आसीन हुए। 1987 तक के अपने कार्यकाल के दौरान इन्हें 'ब्लूस्टार ऑपरेशन' एवं इंदिरा गांधी की हत्या जैसी दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों से गुजरना पड़ा।

कल मिलेंगे

पत्नी-सुनो जी, आज से तुम रोजाना शराब पिया करो...!
पति-क्यों...?
पत्नी-क्योंकि, आप नशे में ज्यादा काम करते हो...!,
पति-मैं कुछ समझा नहीं...?
पत्नी-अरे कल तुम शराब पीकर आए तो नशे में सारे गंदे पड़े बर्तन धो डाले, और तो और आपने मेरे पांव भी दबाए...!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

आधुनिक भारत के शिल्पकार श्रद्धेय अटलजी, अंत्योदय के थे साधक

अटल जी के जीवन में राष्ट्र निर्माण के अनुपम सूत्र समाए हुए थे। विपक्ष और अन्य प्रतिस्पर्धी दलों के नेता भी उनसे प्रभावित होते थे तथा उनसे आवश्यक सुझाव लिया करते थे। दलगत भावना से ऊपर उठकर वह राष्ट्रहित में सदैव खड़े रहे। विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ जाने के कारण राष्ट्रभक्ति का जो ज्वार उनके भीतर रहा वह आजीवन उनकी कविताओं तथा उनके कृतित्व में प्रकट हुआ

-अरुण साव

भारत रत्न छत्तीसगढ़ के निमार्ता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी भारतीय राजनीति के ऐसे नायक थे, जो आने वाली पीढ़ियों को अपने कृतित्व से प्रेरित करते रहेंगे। आज सामाजिक, राजनीतिक एवं समाज जीवन के अनेक क्षेत्र में लक्ष्यावधि लोग अटल जी की प्रेरणा से राष्ट्रकार्य में अपनी श्रेष्ठतम भूमिका सुनिश्चित कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए वह पितातुल्य अभिभावक थे। ज्योतिपुंज अटल जी राजनीतिक क्षेत्र में जिस तरह निरहंकारी एवं ध्येयनिष्ठ व्यक्तित्व से लोगों के हृदय में बसे रहे वह देवदुर्लभ है। सहज-सरल, धोती कुर्ता पहने वह लोगों के बीच इतने सामान्य रूप में उपस्थित होते थे कि उनसे मिलने और अपनी बात रखने में कभी किसी कार्यकर्ता या सामान्य जन को जरा भी संकोच नहीं होता था। अटलजी के व्यक्तित्व में बहुमुखी प्रतिभा थी। कवि हृदय लेखक एवं पत्रकार के रूप में उन्हें मां सरस्वती का विशेष आशीर्वाद प्राप्त था। राष्ट्रधर्म, पांचजन्य एवं स्वदेश जैसे समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं को राष्ट्रीयता से ओतप्रोत अपनी पत्रकारिता से सिंचने का जो पुनीत कार्य उन्होंने किया वह आज भी देश और समाज को दिशा दे रहा है। एक कुशल राजनेता के रूप में अंत्योदय के वह अहर्निश पुजारी के रूप में आजीवन राष्ट्रसाधना में जुटे रहे। अटल जी आधुनिक भारत के वह महान शिल्पकार थे जिन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, सर्व शिक्षा अभियान जैसे अंत्योदय के अनुष्ठान से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की अविरल धारा पहुंचाई। सड़कें किसी भी क्षेत्र की प्रगति की सूचक होती हैं, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं ने दूरस्थ और अभावग्रस्त क्षेत्र तक समृद्धि और अवसर पहुंचाने का काम किया है। सर्वशिक्षा अभियान के जरिए हर बच्चे को स्कूल तक ले जाने का अभूतपूर्व कार्य हुआ।

अटल जी के जीवन में राष्ट्र निर्माण के अनुपम सूत्र समाए हुए थे। विपक्ष और अन्य प्रतिस्पर्धी दलों के नेता भी उनसे प्रभावित होते थे तथा उनसे आवश्यक सुझाव लिया करते थे। दलगत भावना से ऊपर उठकर वह राष्ट्रहित में सदैव खड़े रहे। विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ जाने के कारण राष्ट्रभक्ति का जो ज्वार उनके भीतर रहा वह आजीवन उनकी कविताओं तथा उनके कृतित्व में प्रकट हुआ। राजनीतिक क्षेत्र में कई बार लोग मनभेद कर लेते हैं, लेकिन उनके हृदय में किसी के प्रति कभी मन में विकार नहीं रहा। उनकी सहजता के कारण ही भिन्न विचारधारा के लोगों में भी उनकी स्वीकार्यता थी। हमारे छत्तीसगढ़ की 31 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या जनजातीय समाज से आती है। देश में कई दशकों तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने जनजातीय समाज को हमेशा वोटबैंक की तरह उपयोग किया, लेकिन उनका उत्थान कभी प्राथमिकता में नहीं रहा। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अपने कार्यकाल में केंद्र में जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की। आज छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्यप्रदेश, उत्तर पूर्व समेत विभिन्न राज्यों में जनजातीय समाज के उत्थान हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कथित आर्थिक महाशक्तियों के दबाव में आए बिना देश को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाया।

अटलजी का मानना था कि अधोसंरचना विकास किसी भी राष्ट्र की धमनियों की तरह होता है। उन्होंने कई ऐसे क्षेत्र में निजी क्षेत्र की उद्यमीता को बढ़ावा दिया जो लंबे समय तक गैरप्रतिस्पर्धी और सार्वजनिक क्षेत्र के लिए ही आरक्षित मान लिए गए थे। इससे देश की अर्थव्यवस्था में गुणवत्ता एवं प्रतिस्पर्धा का विकास हुआ। माननीय अटलजी की दूरदृष्टि से छत्तीसगढ़ के निर्माण का वह संकल्प पूर्ण हुआ जिसके लिए हमारे पुरखों ने लंबा संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ लोगों के लिए यह वर्ष राज्य की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है। ऐसे में प्रदेश का प्रत्येक नागरिक अपने राज्य निमार्ता अटलजी के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर रहा है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमने इस वर्ष को अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। हमारी सरकार के प्रत्येक निर्णय में अटलजी के सुशासन का दर्शन होता है। वह चाहे किसानों की आमदनी दोगुनी करने से जुड़े अनेक निर्णय हों, जिनमें 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी, श्रीअन्न, दलहल, तिलहन एवं औषधीय खेती को प्रोत्साहन हो या फिर जैविक और प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन अन्नदाता के प्रति हमारी प्राथमिकता को साबित करता है।

मातृशक्ति के आर्थिक स्वावलंबन के लिए महतारी वंदन योजना एवं महतारी सदन के निर्माण के साथ ही छत्तीसगढ़ में हरा सोना कहे जाने वाले तेंदूपत्ता श्रमिकों के लिए 5500 रुपये प्रति मानक बोरा संग्रहण राशि एवं चरण पादुका जैसे कल्याणकारी निर्णयों के पीछे मोदी जी गारंटी एवं अटलजी के सुशासन का संकल्प ही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विष्णुदेव साय जी की डबल इंजन सरकार ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए सुशासन एवं अभिकरण विभाग का गठन किया है।

ई-ऑफिस जैसे नवाचार से शासकीय कामकाज में पारदर्शिता एवं दक्षता आई है। दैनिक जीवन से लेकर उद्यम लगाने से जुड़ी गतिविधियों में सहजता हो इस उद्देश्यों से हमारी डबल इंजन सरकार ने लगभग चार सौ नीतिगत सुधार किए हैं। यह छत्तीसगढ़ को सुशासन के बेहतरीन मॉडल स्टेट के रूप में स्थापित करता है।

आज देश के प्रधानसेवक एवं विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता श्री नरेंद्र मोदी जी एवं छत्तीसगढ़ के हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में जुटे हैं, सकल्प से सिद्धी की यात्रा सही मायने में अटलजी की प्रेरणा से ही संभव होगी। यही उन्हें सच्ची आदरांजलि होगी।

-लेखक : अरुण साव,
उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सुशासन के अटल पथ पर अग्रसर छत्तीसगढ़

अटल जी का पूरा जीवन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने में समर्पित रहा। उन्होंने केन्द्र में जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की, जिससे जनजातीय समाज के सर्वांगीण उन्नति का मार्ग प्रशस्त हुआ। आज जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना जैसी नीतिगत पहल से छत्तीसगढ़ समेत देश के सभी जनजातीय बाहुल्य राज्य लाभान्वित हो रहे हैं

-किरण देव

भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति में विकास और सुशासन के प्रतीक हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत विकास की जिस यात्रा की ओर अग्रसर है, उसके पीछे पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा दिया गया सुशासन का वह मंत्र पाथेय है, जिसे केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकारों ने अंत्योदय की रीति-नीति बनाया है। भारतीय राजनीति के अजातशत्रु कवि हृदय अटल जी छत्तीसगढ़ से गहरा नाता था। छत्तीसगढ़ निर्माण से पहले रायपुर के सप्रे मैदान में आयोजित चुनावी सभा का दृश्य आज भी मुझे याद है, जब अटल जी की एक झलक पाने के लिए छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से लोग वहां पहुंचे थे। उस समय उन्होंने जैसे ही छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया का उद्घोष लगाया पूरा मैदान छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति आस्था के भाव से स्पंदित हो उठा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आप 11 सीट जीतकर दीजिए, मैं छत्तीसगढ़ राज्य दूंगा। उस चुनाव में हमारी पार्टी के सात सांसद छत्तीसगढ़ से जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। श्रद्धेय अटल जी ने छत्तीसगढ़वासियों से किया गया वादा पूरा कर अपनी संकल्पबद्धता को प्रमाणित कर राजनीतिक प्रतिबद्धता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। 31 जुलाई 2000 को लोकसभा और 9 अगस्त को राज्यसभा में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रस्ताव पर मुहर लगी। चार सितम्बर 2000 को भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशन के बाद एक नवम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य देश के 26 वें राज्य के रूप में अस्तित्व में आया।

सौभाग्य से यह वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता अपने राज्य निमार्ता श्रद्धेय अटल जी के पुण्य कृतित्व के लिए उन्हें अपनी आदरांजलि प्रकट कर रही है। माननीय अटल जी राजनीति को परमार्थ का माध्यम मानते थे। वह समावेशी विकास के अगुवा थे। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के जरिए उन्होंने देशभर के गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा। आज अटल जी के विजन पर देशभर में 6 लाख किलोमीटर से अधिक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कें बन चुकी हैं। अटल जी की दूरदृष्टि को साकार करती यह महत्वाकांक्षी योजना छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में समृद्धि की वाहक बनी है। इसका आकलन इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पिछले 25 वर्ष में लगभग 22 हजार 750 किमी लम्बी सड़कों का जाल बिछा जा चुका है। अटल जी को देश में राजमार्ग क्रांति लाने का श्रेय दिया जाता है। अटल जी के प्रधानमंत्रीत्व काल में शुरू हुई स्वर्णिम चतुर्भुज योजना राष्ट्रीय राजमार्गों के जरिए देश को एकसूत्र में पिरोती है। 11-13 मई 1998 को पोखरण में परमाणु परीक्षण कर श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने दुनिया को बता दिया कि भारत अपनी संप्रभुता एवं अखंडता से कोई समझौता नहीं कर सकता।

अटल जी का पूरा जीवन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने में समर्पित रहा। उन्होंने केन्द्र में जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की, जिससे जनजातीय समाज के सर्वांगीण उन्नति का मार्ग प्रशस्त हुआ। आज जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना जैसी नीतिगत पहल से छत्तीसगढ़ समेत देश के सभी जनजातीय बाहुल्य राज्य लाभान्वित हो रहे हैं।

अटल जी ने स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 2001-2002 में सर्वशिक्षा अभियान शुरू किया। इसकी बदौलत देश के हर आय वर्ग के बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा की राह आसान हुई। अटलजी ने विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को देश की विकास यात्रा से जोड़ने के लिए प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम शुरू किया। अटल जी के कार्यकाल में भारत ने करगिल युद्ध में न सिर्फ विजय प्राप्त की बल्कि आतंकवाद पोषक पाकिस्तान के दांत खट्टे करते हुए उसे अंतर्राष्ट्रीय जगत में अलग-थलग करने का काम किया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के आचरण और उसकी प्राथमिकता तथा हमारी सरकार के नीतिगत निर्णयों में श्रद्धेय अटल जी के चिंतन की स्पष्ट अभिव्यक्ति होती है। अटल जी की जिस प्रेरणा और दर्शन को आत्मसात कर हम आगे बढ़ रहे हैं, इससे भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकारों पर

जनता का भरोसा और अधिक मजबूत हुआ है। अटल जी ने छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर जो स्वप्न देखा था उसे जनता के आशीर्वाद से डॉ रमन सिंह जी के नेतृत्व में पंद्रह वर्ष तक भाजपा सरकार ने साकार रूप देने का कार्य किया, विकास की उसी अटल दृष्टि के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व एवं श्री विष्णु देव साय जी की अगुआई वाली वर्तमान भाजपा सरकार अंत्योदय के अनुष्ठान में जुटी है। छत्तीसगढ़ में हमारी डबल इंजन की सरकार के लिए पहले दिन से ही गरीब, किसान, महिला, युवा, जनजातीय समाज का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता में रहा है। हमारी सरकार ने गठन के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक आयोजित कर मोदी जी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति का निर्णय लिया। आज प्रदेश में 26 लाख पीएम आवास निर्माण की प्रक्रिया शुरू है। कांग्रेस की पिछली सरकार ने किसानों के साथ जिस तरह छल किया, उससे वह अन्नदाता की नजरों से हमेशा के लिए उतर गई है। हमारी सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिन, सुशासन दिवस 25 दिसंबर 2023 को राज्य के 12 लाख किसानों को दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। पिछले तीन खरीफ सीजन से हमारी सरकार किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी के कीर्तिमान रच रही है।

छत्तीसगढ़ देश की इकोनॉमी का इंजन है। बावजूद इसके नक्सलवाद ने हमारी विकास यात्रा को काफी बाधित किया था। अब हम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के दृढ़ संकल्प तथा जवानों के अदम्य साहस से माओवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के करीब है। नक्सलवाद के उन्नमूलन में नियद नेल्ला नार समेत डबल इंजन सरकार की सुशासनकारी योजनाएं वरदान बनी हैं। श्रद्धेय अटल जी ने हमेशा शासन में पारदर्शिता एवं दक्षता को प्राथमिकता दी। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ सरकार ने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन है, जिसके अंतर्गत विभिन्न विभागों की सुशासन पहल को प्रभावी रूप दिया जा रहा है।

जनता के हित के लिए बनने वाली योजनाओं का लाभ उसके वास्तवीक हितग्राहियों को मिले इसके लिए हमारी सरकार ने अटल मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया है। इसके जरिए राज्य में योजनाओं की निगरानी की जाती है। इसी तरह ई-ऑफिस, सिंगल विंडो सिस्टम-2.0, सुगम एवं संगवारी एप सुशासन के अटल मंत्र को साकार रहे हैं। बदलती जीवनशैली के साथ सूचना एवं प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं ने जीवन को सुगमता प्रदान करने के साथ शासकीय कार्यों में पारदर्शिता लाने का भी काम किया है। कांग्रेस की सरकार ने जहां कोयले के परिवहन में परमिट की व्यवस्था को ऑफलाइन कर दिया था वहीं हमारी सरकार ने इसे ऑनलाइन कर भ्रष्टाचार पर रोक लगाई है। पीएससी जैसी परीक्षा को कांग्रेस सरकार ने दागदार कर युवाओं के सपनों का कत्ल किया लेकिन हमारी सरकार ने इसकी पारदर्शिता और प्रमाणिकता को बढ़ाया है। युवाओं की सुविधा के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर भी जारी किया जाता है। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने इस वर्ष अटल जी की जयंती पर अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। ऐसे में यह सुशासन दिवस नये संकल्पों के साथ प्रदेश और देश की तरक्की को गति देने का है। हम विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ को गढ़ने जुटे हैं।

-लेखकः किरण देव,
भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, छत्तीसगढ़
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अमेरिका में क्रैश हुआ नेवी का प्लेन, 5 की मौत, मचा भयंकर बवाल

(एजेन्सी)।
अमेरिका के टेक्सास में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। गैल्वेस्टन के पास मेक्सिको की नौसेना का एक छोटा विमान समुद्र में क्रैश हो गया। यह विमान किसी सैन्य ऑपरेशन पर नहीं बल्कि एक मेडिकल मिशन पर था।

विमान में कुल आठ लोग सवार थे। जिनमें नौसेना के अधिकारी और आम नागरिक शामिल थे। अमेरिकी कोस्ट गार्ड के मुताबिक इस हादसे में अब तक कम से कम पांच लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बाकी लोगों का पता लगाने के लिए समुद्र में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हादसे के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और तुरंत राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गया।

मेक्सिको की नौसेना ने अपने बयान में बताया कि विमान में चार नौसेना अधिकारी और चार नागरिक मौजूद थे। इन नागरिकों में एक बच्चा भी शामिल था। हालांकि अभी यह साफ नहीं हो पाया कि मृतकों में कौन-कौन शामिल है। नौसेना ने इस हादसे को एक दुर्घटना बताया और कहा है कि इसके कारणों की गहराई से जांच की जाएगी। वहीं जो जानकारी सामने आई उसके मुताबिक इस विमान में सवार दो लोग मिचू एंड माऊ फाउंडेशन से जुड़े हुए थे। यह एक गैर लाभकारी संस्था है जो गंभीर रूप से झुलसे बच्चों के इलाज और उनकी मदद के लिए काम करती है और ऐसा बताया जा रहा है कि विमान एक जले हुए मरीज को इलाज के लिए ले जा रहा था। यानी यह उड़ान किसी की जान बचाने की कोशिश में थी, लेकिन खुद हादसे का शिकार हो गई। यह दुर्घटना गिल्वेस्टन के पास एक कॉजवे के बेस एरिया के नजदीक हुई। यह इलाका हस्टन से करीब 50 मील दक्षिण पूर्व में स्थित है। जैसे ही विमान समुद्र में गिरा। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और आपातकालीन एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गई।

अमेरिकी तटरक्षक बल ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। समुद्र में नाव, गोताखोरों और ड्रोन की मदद से तलाश की गई। मेक्सिको की नौसेना ने भी कहा कि वो अमेरिकी अधिकारियों के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य में पूरा सहयोग कर रही हैं।

अमेरिका में तेलंगाना के छात्र की संदिग्ध अवस्था में मौत

(एजेन्सी)।
तेलंगाना के नालगोंडा जिले के एक युवा भारतीय छात्र की अमेरिका में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई है, जिससे देश-विदेश में शोक और दुख का माहौल है। खबरों के अनुसार, मृतक की पहचान पवन कुमार रेड्डी के रूप में हुई है, जो मेलडुप्पलापल्ली गांव के निवासी थे। बताया जाता है कि दोस्तों के साथ खाना खाते समय उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। उनके दोस्त उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

सोशल मीडिया पर कई पोस्ट वायरल हो रही हैं जिनमें दावा किया गया है कि रेड्डी की मौत फूड पॉइजनिंग से हुई है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने इन दावों की पुष्टि नहीं की है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, शुरूआत में दिल का दौरा पड़ने का संदेह था, लेकिन अधिकारियों ने मौत के कारण के बारे में कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। अमेरिका में पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। स्थानीय पुलिस विभाग घटना से पहले की घटनाओं की जांच कर रहा है और डिनर में मौजूद लोगों से पूछताछ कर रहा है। रेड्डी अमेरिका में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे थे और साथ ही अपनी शिक्षा का खर्च उठाने के लिए अंशकालिक नौकरी भी कर रहे थे। उनकी अचानक मृत्यु की खबर से उनका परिवार और मेलडुप्पलापल्ली गांव सदमे में हैं, जो अब स्थिति स्पष्ट होने और उनके पार्थिव शरीर के लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर विदेशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों से जुड़े दुखद मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

विराट-रोहित की वापसी, पर फैंस लाइव मैच से वंचित

(एजेन्सी)।
घरेलू क्रिकेट के मैदानों पर एक बार फिर बड़े नामों की वापसी हो रही है और इसी बीच दर्शकों की उत्सुकता भी चरम पर है, लेकिन इस बार फैंस को थोड़ी निराशा झेलनी पड़ सकती हैं। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में विराट कोहली और रोहित शर्मा अपनी-अपनी टीमों के लिए खेलते नजर आएंगे। बता दें कि विराट कोहली दिल्ली की ओर से मैदान में उतरेंगे, जहां उनका पहला मुकाबला आंध्र प्रदेश से 24 दिसंबर को होना है। यह मैच पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में खेला जाना था, लेकिन आखिरी समय में इसे बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शिफ्ट कर दिया गया। मौजूद जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने सुरक्षा कारणों से इसे बिना दर्शकों के कराने का फैसला लिया। गौरतलब है कि रोहित शर्मा मुंबई टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए पहले सिक्किम और फिर उत्तराखंड के खिलाफ खेलेंगे।

मुंबई के ये दोनों मुकाबले जयपुर में आयोजित किए जा रहे हैं, जहां स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। हालांकि, सबसे अहम बात यह है कि इन हाई-प्रोफाइल मुकाबलों का सीधा प्रसारण नहीं होगा। बता दें कि जियोस्टार इस सीजन का आधिकारिक ब्रॉडकास्टर है, इसके बावजूद दिल्ली बनाम आंध्र और मुंबई बनाम सिक्किम के मैच न तो टीवी पर दिखाए जाएंगे और न ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम होंगे। ऐसे में फैंस को स्कोर अपडेट और मैच से जुड़ी जानकारी के लिए वैकल्पिक स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ेगा हैं, जबकि विराट और रोहित की घरेलू क्रिकेट में यह वापसी चयनकर्ताओं की नजर में काफी अहम मानी जा रही।

सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली उतार-चढ़ाव

(एजेन्सी)।
मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार लगभग स्थिर स्तर पर बंद हुआ। दो दिनों की तेजी के बाद आईटी शेयरों में मुनाफावसूली दिखी, जिसका असर सेंसेक्स और निफ्टी की चाल पर पड़ा। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और साल के अंत से पहले किसी बड़े ट्रिगर की कमी ने भी बाजार की रफ्तार को सीमित रखा।

बता दें कि बीएसई सेंसेक्स 42 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,524.84 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 50 मामूली 5 अंकों की बढ़त के साथ 26,177.15 के स्तर पर ठहरा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, पूरे दिन बाजार सीमित दायरे में ही कारोबार करता नजर आया।

गौरतलब है कि जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर के मुताबिक घरेलू बाजार पर वैश्विक संकेतों का मिला-जुला असर रहा है। अधिकांश सेक्टर्स में बिकवाली का दबाव दिखा, हालांकि वित्तीय और एफएमसीजी शेयरों ने हल्का सहारा दिया है। आगे की बात करें तो निवेशक अब आगामी तिमाही नतीजों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर बनती उम्मीदों पर नजर बनाए हुए हैं।

बता दें कि घरेलू मांग में सुधार की उम्मीद बाजार को आधार जरूर दे रही है, लेकिन वैश्विक व्यापार समझौतों को लेकर अनिश्चितता और रुपये की चाल निवेशकों की धारणा को प्रभावित करती रहेगी। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक भी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग सपाट रहे हैं। मजबूत आर्थिक आंकड़ों के बाद अमेरिकी बॉन्ड यील्ड बढ़ी, जिससे निवेशकों की सतर्कता बढ़ी है। गौरतलब है कि तीसरी तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वृद्धि उम्मीद से ज्यादा रही है, जिसमें उपभोक्ता खर्च की अहम भूमिका रही।

मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग शुरू

(एजेन्सी)। तीन-भाग वाली मिर्जापुर सीरीज की सफलता के बाद, मेकर्स ने इसकी पॉपुलैरिटी का फायदा उठाने और इस पर एक फि ल्म बनाने का फैसला किया। मिर्जापुरः द फि ल्म नाम की इस फि ल्म में सभी पॉपुलर किरदार अब बड़े पर्दे पर अपना जादू बिखेरेंगे। मंगलवार रात को, अली फजल, जो मिर्जापुरः द फि ल्म में गुड्डू भैया के रूप में वापस आए हैं, ने शूटिंग शुरू करते हुए एक इंटेंस वीडियो शेयर किया। यह वीडियो संजय दत्त के खलनायक फि ल्म के 'नायक नहीं खलनायक हूं मैं' ट्रैक पर था, जिसमें फजल फि ल्म सेट की ओर चलते हुए दिख रहे थे। कैमरा उनका पीछा कर रहा था, जिसमें उनके चेहरे की एक झलक दिखाई दे रही थी।

"मिर्जापुर द फि ल्म। शूटिंग अब शुरू। राजस्थान शेड्यूल। जैसलमेर और जोधपुर को अपार प्यार और मेहमाननवाजी के लिए धन्यवाद, जिसकी कोई सीमा नहीं है। आपने हमें अपना समझा... उन सभी होटलों को धन्यवाद जिन्होंने हमें घर जैसा महसूस कराया, जब हम अपने घरों से दूर काम कर रहे थे," अली फजल ने फि ल्म और राजस्थान के लोगों की मेहमाननवाजी के बारे में अपडेट शेयर करते हुए लिखा।

चाइनीज मांझे के खिलाफ डीआईजी को सौंपा ज्ञापन

चाइनीज मांझे के खिलाफ डीआईजी को पत्रक देते हुए अधिवक्ता। (छायाः एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ बुधवार को सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री सुरेन्द्र नाथ पांडेय के नेतृत्व में ग्रीनपीस नेचर फाउंडेशन के सदस्यों ने डीआईजी राजेश कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। पत्रक के माध्यम से बताया गया है कि चाइनीज मांझा मनुष्यों के साथ ही जानवरों के लिए भी प्राण घातक है। इसके बिक्री पर नेशनल ग्रीन ट्राइब्यूनल ने प्रतिबंध लगा रखा है इसके बावजूद यह धरल्ले से बिक रहा है। जानलेवा चाइनीज मांझे के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगे।

शिष्टमंडल में सुरेन्द्र नाथ पांडेय, राहुल श्रीवास्तव, आरिफ सिद्दीकी, राजेश कुमार कुशवाहा, आशीष सिंह, गौतम कुमार झा, विधु प्रकाश पाण्डेय,मणी तिवारी आदि अधिवक्ता शामिल थे।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने जेल विभाग में 532 पदों के लिए भर्ती को दी मंजूरी

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। जेल सुरक्षा को मजबूत करने तथा प्रशासनिक कुशलता में सुधार करने के लिए पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज पंजाब जेल विभाग के लिए 532 कर्मचारियों की सीधी भर्ती को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी है। इस भर्ती अभियान के तहत 475 वार्डर और 57 मैट्रन भर्ती किए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि ये 532 पद अधीनस्थ सेवाएं चयन (एसएसएस) बोर्ड के द्वारा भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पहले से चल रही 451 वार्डर और 20 मैट्रनों की भर्ती के साथ-साथ ही चलेगी, जो पहले से ही बोर्ड के द्वारा प्रक्रिया के अधीन है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत भर्ती में सात वार्डर पद भी शामिल हैं जो 31 दिसंबर, 2026 तक सेवामुक्ति के कारण खाली होने की उम्मीद है। वित्त मंत्री ने कहा कि जेल विभाग का व्यापक पुनर्गठन प्रक्रिया अधीन है और विभाग की कार्यक्षमता के लिए इन 532 पदों की तुरंत भर्ती आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जेल विभाग स्टाफ की कमी का सामना कर रहा है, जिस कारण गार्डिंग कर्मचारियों को दोहरी शिफ्टों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

एक माह के अंदर शुरू करें कुष्ठ रोगियों के शेल्टर होम में बुनियादी सुविधाओं पर काम: इन्द्राज

■ ताहिरपुर स्थित कुष्ठ एवं टीबी प्रभावितों के शेल्टर होम का समाज कल्याण मंत्री ने किया निरीक्षण

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने ताहिरपुर स्थित ओल्ड एज/कुष्ठ एवं टीबी रोगियों के लिए बने शेल्टर होम का निरीक्षण किया।

समाज कल्याण मंत्री ने सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं पर एक माह के अंदर काम शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने इलाज की सुविधाओं और ठण्ड से बचाव को लेकर उपलब्ध सुविधाओं की भी समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिए। इस शेल्टर होम में वर्तमान में 143 पुरुष कुष्ठ रोगी निवास कर रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान कुष्ठ रोगियों ने अपनी भजन मंडली के लिए संगीत वाद्ययंत्र उपलब्ध कराने की मांग रखी। इस पर समाज कल्याण मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक वाद्य यंत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि शेल्टर होम में रहने वालों के मनोरंजन एवं उत्तम मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराएं। डीएम शाहदरा, समाज कल्याण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, एमसीडी तथा पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ किए गए संयुक्त निरीक्षण में कैबिनेट मंत्री ने शेल्टर होम की भवन मरम्मत, नियमित व स्वच्छ पानी की आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था तथा दवाईयों की उपलब्धता को लेकर निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री ने मेन गेट, शौचालय, डोरमेट्री, किचन में आवश्यक मरम्मत एवं वाटर प्रूफिंग का कार्य एवं परिसर में अतिरिक्त पानी की आपूर्ति का काम एक माह के अंदर शुरू करने के निर्देश दिए। परिसर में लेवलिंग एवं स्वच्छता कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाएं। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के सबसे वंचित वर्गों को सम्मानजनक, सुरक्षित और सुविधाजनक जीवन उपलब्ध कराना है। शेल्टर होम में रह रहे सभी लोगों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और किसी भी प्रकार की कमी को शीघ्र दूर किया जाए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक कार्यों की समयबद्ध समीक्षा करें और तय समय-सीमा में पूरी गुणवता के साथ पूरा करें।

खानपुर थाना क्षेत्र के शादीपुर घाट के समीप अपराधियों ने एक 23 वर्षीय युवक को गोली मारकर, कर दिया हत्या

■ हत्या की मामला शादीपुरघाट की बताया गया है

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के शादीपुर घाट निवासी रामबाबू सहनी के 23 वर्षीय पुत्र रूपक कुमार सहनी को समय करीब 5 बजे शाम में अपराधियो ने गोली मार कर हत्या कर दिया। हत्या होने की खबर जैसे ही अगल बगल के लोगो को मालूम चला वैसे ही सैकड़ो की संख्या में लोग जुट गये। तथा गोली लगी रूपक कुमार सहनी को जख्मी हालत में उठाकर पीएचसी खानपुर में लाया गया। जहाँ पीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी राणा नितेश कुमार सिंह ने जख्मी रूपक कुमार सहनी को मृत घोषित कर दिया।

वही घटना की सूचना मिलते ही खानपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने दलबल के साथ पीएचसी खानपुर पहुँच कर जाँच में जुट गई है। वही घटना की जानकारी थानाध्यक्ष सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सदर डीएसपी (2) को

हत्या की घटना की जानकारी दिया। सूचना मिलते ही सदर डीएसपी (2) संजय कुमार ने दलबल के साथ पीएचसी खानपुर पहुचकर जाँच पड़ताल में जुट गये।

शादीपुर घाट के ग्रामीणों सहित पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, बीस सूत्री उपाध्यक्ष बमभोला सिंह, समाजिक नेता पिंटू सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय कुशवाहा, सीपीएम नेता प्रेमानन्द सिंह, वर्तमान बीस सूत्री अध्यक्ष रामनारायण सिंह ने डीएसपी संजय कुमार से मांग किया कि मृतक रूपक कुमार सहनी को गोली मार कर हत्या करने वाला अपराधियो को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सजा दिलाया जाय।

सदर डीएसपी (2) के आश्वासन के बाद शव को पोस्मार्टम के लिये समस्तीपुर भेजा जा रहा है। समाचार प्रेषण तक हत्या की घटना में आगे जानकारी प्राप्त नही हो सका है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की ओर से अधिकारियों को 1,350 करोड़ रुपए की लागत से पंजाब भर में 3,100 स्टेडियमों का कार्य जून 2026 तक पूरा करने के निर्देश

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान ने खेल और युवा सेवाएं विभाग के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान पंजाब के खेल बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण के लिए स्पष्ट, समयबद्ध निर्देश जारी करते हुए अधिकारियों को प्रदेश भर में 1,350 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे 3,100 स्टेडियमों का कार्य जून 2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा एक व्यापक पैकेज की भी शुरूआत की गई जिसमें लगभग 3,000 स्थानों पर अत्याधुनिक जिम स्थापित करना, 50 करोड़ रुपए की लागत से 17,000 खेल किटों का वितरण, एक व्यापक खेल पोर्टल की शुरूआत और 43 करोड़ रुपए की लागत से एक नए युवा भवन का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य पंजाब के युवाओं की असीम ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाना और उन्हें नशे के खतरे से दूर रखना है।

आज यहां खेल और युवा सेवाएं विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नई खेल नीति 2023 के अनुसार प्रदेश भर के गांवों में ये स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन स्टेडियमों पर 1350 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे जिनमें बाड़, गेट, जॉगिंग ट्रैक, समतल खेल का मैदान, पेड़, वॉलीबॉल कोर्ट, स्टोर और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन स्टेडियमों का कार्य निर्धारित समय के अंदर पूरा किया जाना चाहिए और साथ ही हर हालत में कार्यों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाने के लिए प्रदेश भर में लगभग 3000 स्थानों पर अत्याधुनिक जिम स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहले चरण के तहत प्रदेश भर में 1000 स्थानों पर 35 करोड़ रुपए की लागत से ऐसे अत्याधुनिक जिम स्थापित किए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन जिमों में वेट लिफ्टिंग सेट, बेंच, डंबल सेट, केटलबेल सेट, रैक, फ्लोर मैट और अन्य कई अत्याधुनिक उपकरण शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा 50 करोड़ रुपए की लागत से खिलाड़ियों को 17000 खेल किटें वितरित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इन किटों में वॉलीबॉल और फुटबॉल (प्रत्येक के लिए तीन वॉलीबॉल और फुटबॉल तथा दो नेट), क्रिकेट के लिए दो बैट, विकेट, छह टेनिस गेंदें शामिल होंगी। भगवंत सिंह मान ने अधिकारियों को 31 मार्च, 2026 तक गांवों में 5600 खेल किटें वितरित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गर्व और संतोष की बात है कि विभाग द्वारा एक व्यापक खेल पोर्टल शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल प्रेमी और खिलाड़ी एक क्लिक पर खिलाड़ियों की रजिस्ट्रेशन, ऑनलाइन ग्रेडेशन, ऑनलाइन डी.बी.टी., खेल आयोजन करवाना, ग्राउंड रिजर्वेशन, ई-सर्टिफिकेट, परिणाम रिकॉर्ड करना, पेंशन/वजीफा और अन्य सुविधाएं प्राप्त कर सकेंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि 10,000 युवाओं के लिए प्रदेश के नौ जंगली क्षेत्रों में ट्रैकिंग, एडवेंचर, टीम एक्टिविटी कैंप भी लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली जनवरी से पल्लणपुर, सिसवां, मिजार्पुर (मोहाली), टिब्बा टपरिया (रोपड़), नारा (होशियारपुर), और हरिके पत्तन रख (तरनतारन) में कैंप लगाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 43 करोड़ रुपए की लागत से सेक्टर 42ए में एक नया युवा भवन बनाया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसमें 200 युवाओं के लिए हॉस्टल सुविधाएं, 400 व्यक्तियों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, एक कॉन्फ्रेंस हॉल, सेमिनार रूम और अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खेल नीति 2023 पेश की और बजट को वर्ष 2023-2024 में 350 करोड़ रुपए से बढ़ाकर वर्ष 2024-25 के लिए 1000 करोड़ रुपए कर दिया। उन्होंने कहा कि मोहाली, बठिंडा और लुधियाना में 10.50 करोड़ रुपए की लागत से हॉकी टर्फ को बदला जा रहा है और इन्हें भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने भगवंत सिंह मान ने अधिकारियों को मोहाली स्पोट्र्स स्टेडियम सेक्टर 78 में 9 करोड़ रुपए की लागत से निमार्णाधीन सिंथेटिक ट्रैक का कार्य मार्च, 2026 तक पूरा करने के लिए भी कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गर्व और संतोष की बात है कि पंजाब देश का पहला राज्य है जहां स्पोट्र्स मेडिसिन कैडर मौजूद है। उन्होंने कहा कि चोटों से जूझ रहे खिलाड़ियों की देखभाल और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए इस कैडर के लिए 92 कर्मचारियों का चयन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार के हर प्रयास का उद्देश्य युवाओं की असीम ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाना है ताकि उन्हें नशे के खतरे से दूर रखा जा सके।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बैंकों के लिए पेंशनर सेवा पोर्टल रजिस्ट्रेशन को पूरा करने की समय-सीमा की निर्धारित

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने राज्य के पेंशनरों की पेंशनर सेवा पोर्टल पर 100 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन को तेज करने के उद्देश्य से आज यहां पेंशन वितरित करने वाले बैंकों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और प्रत्येक बैंक के केस लोड के अनुसार इस कार्य को पूरा करने के लिए समय-सीमाएं जारी कीं। वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह डिजिटल परिवर्तन मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पंजाब सरकार के पेंशनर सरकारी कार्यालयों में जाए बिना अपने घरों से ही आवश्यक सेवाओं तक पहुंच कर सकें।

इस व्यापक प्रगति समीक्षा के दौरान वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पोर्टल की शुरूआत और उसके बाद जिला स्तर के ह्यसेवा मेलोंह्न के बाद 1,11,233 पेंशनर पहले ही अपना ई-केवाईसी सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं और इस गति को और तेज करने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी पेंशनर इस सेवा के लिए

रजिस्टर हो सकें। उन्होंने बैंक अधिकारियों को सेवानिवृत्त पेंशनरों की सहायता के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए, विशेष रूप से ब्रांच मैनेजरों को उन बुजुर्ग पेंशनरों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए जो डिजिटल इंटरफेस से परिचित नहीं हैं। वित्त मंत्री ने चेतावनी दी कि बैंक स्तर पर कोई भी लापरवाही या तकनीकी बाधा जो इस रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में रुकावट डालती है, उसके खिलाफ सख्त जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

इस संबंध में चिंताओं को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री चीमा ने आश्वासन दिया कि इस अनिवार्य रजिस्ट्रेशन चरण के दौरान पेंशन वितरण बिना किसी रुकावट के जारी रहेगा। वित्त मंत्री ने बैठक के समापन पर इस योजना में शामिल सभी भागीदारों से पंजाब को डिजिटल कल्याण सेवाओं में एक अग्रणी बनाने के लिए मिशन-मोड भावना से काम करने की अपील की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रदेश के 3.15 लाख पेंशनरों को यह सुविधा बिना किसी रुकावट या कठिनाई के प्रदान की जा सके।

बैठक में अन्य लोगों के अलावा अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त आलोक शेखर, निदेशक खजाना अरविंद के. एम. के. और अतिरिक्त निदेशक खजाना सिमरजीत कौर उपस्थित थे।

पंजाब की शिक्षा क्रांति से कर्मचारियों की प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण सुधार हुआ: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। शासन में लोगों को प्राथमिकता देने का स्पष्ट मानदंड स्थापित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने ऑल इंडिया एवं केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि उनका हर प्रशासनिक फैसला आम आदमी की भलाई एवं राहत के लिए हो। यहां विशेष फाउंडेशन कोर्स (एस.एफ.सी.) के लिए महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (मगसीपा) में पहुंचे 32 आई.पी.एस., आई.आर.एस. एवं अन्य सेवाओं के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करते हुए मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पद के साथ जिम्मेदारी भी आती है और शासन का मूल्यांकन नागरिकों के जीवन पर इसके प्रभाव के माध्यम से किया जाना चाहिए।

उन्होंने ऐसे कार्यक्रम की मेजबानी करने के लिए मगसीपा को बधाई दी कि देश की पांच शीर्ष राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थाओं में स्थान प्राप्त किया है, जो पंजाब की पेशेवर दृष्टिकोण एवं जवाबदेह प्रशासन को दशार्ता है। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों ने पंजाब सरकार की कई मार्गदर्शक पहलों की सराहना की तथा उनके जमीनी स्तर पर प्रत्यक्ष परिणामों की पहचान की।

यहां अधिकारियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जानकर खुशी हुई है कि लाल बहादुर शास्त्री

नेशनल अकादमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन मसूरी के सहयोग से 2021 बैच के इन अधिकारियों के लिए 10 सप्ताह का विशेष फाउंडेशन कोर्स करवाया जा रहा है। इस ग्रुप में आई.पी.एस., भारतीय वन सेवा, आई.आर.एस. (आयकर एवं कस्टम दोनों), भारतीय डाक सेवा, भारतीय सूचना सेवा, भारतीय सिविल लेखा सेवा, भारतीय पी एंड टी वित्त सेवा, भारतीय व्यापार सेवा एवं भारतीय कॉर्पोरेट लॉ सेवा के अधिकारी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहली बार है कि मगसीपा, लाल बहादुर शास्त्री नेशनल अकादमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी की ओर से विशेष फाउंडेशन कोर्स (एस.एफ.सी.) का प्रबंध कर रहा है। आम तौर पर ऐसे कोर्स राष्ट्रीय अकादमियों जैसे नेशनल पुलिस अकादमी एवं नेशनल अकादमी ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज द्वारा करवाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मगसीपा के बुनियादी ढांचे एवं शानदार फैकल्टी को ध्यान में रखते हुए मसूरी अकादमी ने इसकी चयन किया है। उन्होंने कहा कि विशेष फाउंडेशन कोर्स का समय-सारणी बहुत व्यापक है, जिसमें विभिन्न विषयों पर व्याख्यान, फील्ड विजिट (क्षेत्रीय दौरे) एवं अन्य विचार-विमर्श सत्र शामिल किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने इन अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि ये अधिकारी प्रशिक्षु चंडीगढ़ में हैं, जो विभिन्न संस्कृतियों का संगम है। इस शहर में विशेष रूप से पंजाबियत की मुख्य रंगत देखने को मिलती है। प्रशिक्षु इस शहर एवं पंजाब की गर्मजोशी भरी आतिथ्य का भरपूर आनंद लेंगे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अधिकारियों को अवगत कराया कि पंजाब इतिहास, संस्कृति एवं परंपराओं की दृष्टि से बहुत समृद्ध है तथा प्रशिक्षुओं को इस पवित्र धरती से सीखने के अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि मगसीपा एवं इसकी फैकल्टी को भी विभिन्न राज्यों, कैडर/सेवाओं एवं विभिन्न अनुभवों वाले इन अधिकारी प्रशिक्षुओं से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि ह्नमुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि चंडीगढ़, इस क्षेत्र का मुख्य केंद्र होने के नाते, जनसेवा के क्षेत्र में कई प्रख्यात व्यक्तित्वों का निवास स्थान है, जिनमें से कई ने इन अधिकारियों से मुलाकात की होगी। ये वे अधिकारी हैं, जिन्होंने जनसेवा में दशक लगाए हैं एवं इस क्षेत्र में विशेष मुकाम हासिल किया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अधिकारियों को बताया कि जब से 2022 में मेरी सरकार ने सत्ता संभाली है, पंजाब ने शिक्षा क्रांति के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में बेमिसाल प्रगति की है।

गुलजारइंद्र सिंह चाहल ने आर्थिक नीति एवं योजना बोर्ड के वाइस चेयरमैन का पद संभाला

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। आर्थिक नीति एवं योजना बोर्ड, पंजाब के नवनियुक्त उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) गुलजारइंद्र सिंह चाहल ने आज अतिरिक्त मुख्य सचिव (योजना) जसप्रीत तलवाड़, अतिरिक्त सचिव (योजना) जगजीत सिंह तथा निदेशक (योजनाबंदी) अनुपम की उपस्थिति में औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य की सेवा का अवसर प्रदान करने के लिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल तथा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का हार्दिक धन्यवाद किया। पदभार संभालते ही वाइस चेयरमैन चाहल ने योजना विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार पहले से ही सुव्यवस्थित ढंग से जन-हितैषी नीतियों को लागू कर रही है, जिनके जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। सुविचारित नीतियों के माध्यम से पंजाब राज्य देश भर में क्रांतिकारी सुधारों के क्रियान्वयन में अग्रणी बनकर उभरा है। बैठक के दौरान उन्होंने अपनी नई भूमिका के लिए ठोस योजना तैयार करने पर चर्चा की, ताकि वे पंजाब के विकास को और गति देने में प्रभावी योगदान दे सकें।

इस अवसर पर वाइस चेयरमैन गुलजारइंद्र सिंह चाहल ने पंजाब के

भविष्य को ध्यान में रखते हुए डिजिटल अर्थव्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सेवाओं की डिलीवरी में सुधार के लिए सरकारी क्षेत्रों में आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसी उभरती तकनीकों को शामिल करने, साथ ही स्टार्टअप्स, मीडिया और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा कि वे नीति आयोग के साथ निकट समन्वय स्थापित करने का प्रयास करेंगे और देश के अन्य राज्यों तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लागू प्रमुख नीतियों का अध्ययन करेंगे, ताकि पंजाब में सफल और ठोस नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही राज्य के आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए प्रवासी पंजाबियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर के उद्योग नेताओं को पंजाब में निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

हरियाणा के सरकारी स्कूल की बेटी ने रचा इतिहास, ट्रक ड्राइवर की बेटी बनी आईआईटी रुड़की की इंजीनियर

मुख्यमंत्री सैनी की शिक्षा नीति और 'सुपर 100' योजना की बदौलत दीपा को बीपीसीएल से 20 लाख सालाना का पैकेज

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा सरकार की बेहतरीन शिक्षा नीतियों और सुपर 100 योजना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अगर सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे भी देश के शीर्ष संस्थानों तक पहुंच सकते हैं। इसका ताजा उदाहरण हरियाणा के एक गरीब परिवार की बेटी दीपा हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में हरियाणा सुपर सौ में पढ़ाई कर न सिर्फ आईआईटी रुड़की में प्रवेश पाया, बल्कि अब उन्हें भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) से 20 लाख रुपये वार्षिक पैकेज का ऑफर भी मिला है।

दीपा हरियाणा के गांव खेड़ी शेर खान, कलायत, जिला कैथल की निवासी हैं। उनके पिता सुरेश कुमार पेशे से ट्रक ड्राइवर हैं, जबकि माता नीलम गृहिणी हैं। सीमित आय और साधनों के बावजूद परिवार ने बेटी की पढ़ाई में कभी कमी नहीं आने दी। दीपा ने अपनी प्रारंभिक

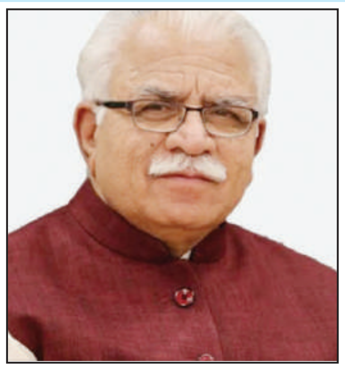

पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा मनोहर लाल।

और माध्यमिक शिक्षा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोढ़ार, जिला जींद से प्राप्त की।

सरकारी स्कूल में पढ़ते हुए दीपा का चयन हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'सुपर 100 (बैच-2)' में हुआ। इस योजना के अंतर्गत उन्हें उच्च स्तरीय कोचिंग, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिला। कड़ी मेहनत और लगन के बल पर दीपा ने जेईई परीक्षा में सफलता हासिल कर आईआईटी रुड़की में इलेक्ट्रिकल

मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी।

इंजीनियरिंग ब्रांच में प्रवेश लिया। उन्होंने वर्ष 2022 से 2026 के सत्र में अपनी इंजीनियरिंग पूरी करनी है।

पढ़ाई के दौरान ही दीपा की प्रतिभा और मेहनत को पहचान मिली और उन्हें देश की प्रतिष्ठित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी BPCL (भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड) से 20 लाख रुपये सालाना (CTC) का आकर्षक जॉब ऑफर प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि न केवल दीपा और उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे हरियाणा के सरकारी स्कूलों के छात्रों

विद्यार्थी दीपा।

के लिए गर्व की बात है। दीपा के परिवार ने इस सफलता का श्रेय हरियाणा सरकार की शिक्षा नीति को देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का बार-बार धन्यवाद किया है। परिवार का कहना है कि यदि हरियाणा सुपर 100 जैसी योजना नहीं होती तो गरीब परिवार की बेटी के लिए आईआईटी तक पहुंचना बेहद कठिन होता।

परिवार और ग्रामीणों का मानना है कि दीपा की यह सफलता उन हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, जो सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। आज हरियाणा के अनेक छात्र-छात्राएं सरकारी स्कूलों से निकलकर आईआईटी, एमबीबीएस और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हो रहे हैं और अपने भविष्य को उज्ज्वल बना रहे हैं।

दीपा की कहानी यह संदेश देती है कि मेहनत, सही दिशा और सरकारी सहयोग से कोई भी सपना असंभव नहीं है। हरियाणा के अन्य विद्यार्थी भी इन सफल विद्यार्थियों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहे हैं और शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं।

यमुना तटबंध पर बाढ़ नियंत्रण कार्यों को लेकर स्थलीय निरीक्षण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त करनाल के आदेशानुसार उप-मंडल अधिकारी (नागरिक) करनाल प्रदीप कुमार द्वारा वर्ष 2025-26 हेतु सिंचाई विभाग द्वारा प्रस्तावित बाढ़ नियंत्रण योजनाओं के अंतर्गत यमुना नदी के तटबंध से सटे गांवों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण 57वीं हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक में प्रस्तावित कार्यों के संदर्भ में किया गया।

निरीक्षण के दौरान यमुना तटबंध के साथ लगते गांव मंगलौरा, दिलावरा, धाकवाला, मोदीपुर, शेरगढ़ टापू, जरौली सहित अन्य गांवों का दौरा किया गया। इस मौके पर सिंचाई विभाग, इंद्री जल सेवाएं, करनाल के कार्यकारी अभियंता श्री मनोज कुमार, उप-मंडलीय अधिकारी श्री कर्नैल सिंह सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा संबंधित गांवों के सरपंच, ग्राम प्रतिनिधि एवं क्षेत्र के किसान भी निरीक्षण में शामिल रहे।

अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित स्थलों का गहन निरीक्षण करते हुए बाढ़ की संभावनाओं, जल प्रवाह की दिशा, तटबंधों की वर्तमान स्थिति तथा आवश्यक तकनीकी पहलुओं का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। साथ ही स्थानीय किसानों एवं ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी संज्ञान में लिया गया। प्रस्तावित कार्यों के संबंध में माननीय हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं माननीय विधायक इंद्री द्वारा भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इन अल्पकालिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों का मुख्य उद्देश्य आबादी वाले क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा किसानों की भूमि को मृदा अपरदन से बचाना है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार एवं समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे, जिससे आगामी मानसून के दौरान संभावित बाढ़ नुकसान को प्रभावी रूप से रोका जा सके।

जगदगुरू ब्रह्मानंद जयंती पर कई जगह कार्यक्रम

महापुरुषों के दिखाए रास्ते पर चलकर आगे बढ़ें-कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। घरौंडा हलके में जगदगुरू ब्रह्मानंद की जयंती पारंपरिक हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाई गई। कई जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कुटेल गांव में, कुटेल-ऊंचा समाना रोड पर, बसताड़ा और करनाल की रामदेव कालोनी में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने चारों स्थानों पर जगदगुरू ब्रह्मानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। लोगों को जयंती की बधाई व शुभकामनाएं दीं और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

विधानसभा अध्यक्ष आज सुबह अपने पैतृक गांव कुटेल के जगदगुरू ब्रहनंद आश्रम पहुंचे। वहां गुरु जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इससे पहले वहां हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। श्री कल्याण ने आश्रम के विकास के बारे में महिलाओं से भी जानकारी ली। कहा कि वे जो भी कार्य आश्रम में कराना चाहती हैं, उसके बारे में विचार-विमर्श कर उन्हें बता दें। धनराशि की चिंता न करें। श्री कल्याण ने आश्रम में ग्रामीणों के साथ प्रसाद ग्रहण किया और उनकी कुशलक्षेम भी जानी।

इसके बाद श्री कल्याण कुटेल-ऊंचा समाना रोड पर बने गुरु ब्रह्मानंद के आश्रम, फिर बसताड़ा और बाद में करनाल की रामदेव कॉलोनी पहुंचे। तीनों स्थानों पर उनका लोगों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। श्री कल्याण ने तीनों जगह जगदगुरू ब्रह्मानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कुटेल-ऊंचा समाना रोड पर बने आश्रम में आरती में भी भाग लिया।

करनाल में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि गुरु जी की जयंती के कार्यक्रम कई दिनों से जारी हैं। उसी कड़ी में आज वे यहां पहुंचे हैं। कल भी गुरु जी की

जन्म स्थली चुहड़ माजरा में राजकीय स्तर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। वहां गुरु भक्तों का जनसैलाब उमड़ा। उन्होंने कहा कि आज इस बात की जरूरत है कि समाज महापुरुषों के दिखाए रास्ते पर आगे बढ़े। उनके विचारों से जुड़े। नौजवान अच्छे विचार से जुडकर तरक्की करने के लिए मेहनत करे।

गुरु ब्रह्मानंद की जयंती के उपलक्ष पर मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने की 21 लाख रुपये देने की घोषणा

अस्वस्थ होने के चलते नहीं पहुंच पाए थे गुरु ब्रह्मानंद जयंती समारोह में

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल हरियाणा के पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने गुरु ब्रह्मानंद जी की जयंती पर नमन करते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने गुरु ब्रह्मानंद माजरा (चुहड़माजरा) में विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि 23 दिसंबर को आयोजित हुए गुरु ब्रह्मानंद जयंती के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में स्वास्थ्य कारणों की वजह से शिरकत नहीं कर पाए। घुटने के ऑपरेशन के चलते वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे। उन्होंने गुरु जी

हरियाणा के पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार।

के सम्मान में और गांव के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश व प्रदेश नई ऊंचाईयों को छू रहा है। महापुरुषों की जयंतियों को राज्य सरकार द्वारा सरकारी स्तर पर मनाने का काम किया है, काफी सराहनीय है। संतों-महात्माओं के विचारों को जन-जन तक पहुंचानें के लिए इस तरह के कार्यक्रम काफी कारगर सिद्ध हो रहे हैं। युवाओं को ऐसे कार्यक्रमों से जुड़कर अपने समाज को और सशक्त और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ाएं।

खेतीबाड़ी के 30,000 से अधिक प्रोजेक्टों के लिए 7100 करोड़ रुपये ए.आई.इफ. स्कीम के तहत मंजूर

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार प्रदेश में बागबानी क्षेत्र का विस्तार करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रही है। बागबानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत के निर्देशों के तहत बागबानी विभाग किसानों को परंपरागत फसलों के अलावा फसली विविधता अपनाने के लिए पूरी सहायता प्रदान कर रहा है। बागबानी क्षेत्र को प्रफुल्लित करने के लिए विभिन्न स्कीमों के तहत किसानों को सब्सिडियां दी जा रही हैं। बागबानी का अधिकतम लाभ लेने के लिए किसानों को अति-आधुनिक तकनीक के बारे में पूरी जानकारी प्रदान की जा रही है। बागबानी विभाग ने साल 2025 के दौरान विभिन्न पहलकदमियां कीं और नई ऊंचाइयों को छुआ है।

बागबानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि बागबानी विभाग खेतीबाड़ी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पिछले साल की तरह इस वर्ष भी भारत के सभी राज्यों से आगे रहा है। उन्होंने बताया कि एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (ए.आई.इफ.) केंद्रीय स्कीम को प्रदेश में सुव्यवस्थित ढंग से लागू करने के लिए बागबानी विभाग नोडल एजेंसी के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक खेतीबाड़ी के 30,000 से अधिक प्रोजेक्टों के लिए 7100 करोड़ रुपये के

ए.आई.इफ. स्कीम के तहत ऋण मंजूर किए गए हैं।

बागबानी मंत्री ने कहा कि मान सरकार प्रदेश में बागबानी को प्रफुल्लित करने और किसानों की आय बढ़ाने की ओर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि बागबानी विभाग के निरंतर प्रयासों से प्रदेश का बागबानी के तहत क्षेत्र 4,81,616 से बढ़कर अब 5,21,000 हेक्टेयर हो गया है। उन्होंने बताया कि बागबानी क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन देने और किसानों को आधुनिक तकनीक से अवगत कराने के लिए लुधियाना में लाढोवाल में अति-आधुनिक बागबानी विकास केंद्र स्थापित किया जा रहा है। यह केंद्र वन-स्टॉप ज्ञान केंद्र के रूप में काम करेगा और प्रदेश भर के किसानों को गेहूं-धान के फसली चक्र से उच्च मूल्य वाली बागबानी फसलों की ओर प्रेरित करेगा। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा अपणा पिंड-अपणा बाग अभियान की शुरूआत की गई है। इससे बागबानी क्षेत्र को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत गांवों की पंचायती जमीनों पर फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। इन बागों से होने वाली आय संबंधित गांव की पंचायत द्वारा गांव के विकास पर खर्च की जाएगी। उन्होंने कहा कि नेशनल हॉर्टीकल्चर मिशन के तहत किसानों को नए बाग लगाने, सब्जियां और फूलों की खेती, मशरूम, बी-कीपिंग के लिए 1575 लाख रुपये वित्तीय सहायता के रूप में दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि स्टेट प्लान स्कीम के तहत फूलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए बागबानी विभाग द्वारा किसानों को 14,000/- रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय सहायता दी जा रही है।

स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती जी के नाम से बने कुटेल मेडिकल यूनिवर्सिटी: अनिल जयभारत

संजना भारती संवाददाता

असंध। जगतगुरु ब्रह्मानंद सरस्वती जी के 118वें जनोत्सव के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों उपलानी,चोरकारसा, राहड़ा, मुंड, गंगा टेहड़ी सहित जुड़ला में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए और नाना प्रकार के व्यंजनों से भंडारे का आयोजन किया जिसका श्रद्धाभाव से श्रद्धालुओं ने आनंद लिया। इस दौरान हवन-यज्ञ कर श्रद्धालुओं ने गुरु महाराज के उपदेशों और उनके सामाजिक-शैक्षिक योगदान को स्मरण किया। उपलानी और जुंडला में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस वरिष्ठ नेता अनिल जयभारत ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा गांव चूहड़ माजरा के नाम को गुरु ब्रह्मानंद जी के नाम पर रखने की घोषणा पर कहा कि उस गांव को पूरा प्रदेश गुरु ब्रह्मानंद जी के नाम से ही जनता है यदि प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को वास्तव में स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती जी के विचारों में आस्था है, तो कुटेल में निर्मित मेडिकल यूनिवर्सिटी का नाम जगतगुरु ब्रह्मानंद सरस्वती जी के नाम पर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केवल नामकरण नहीं, बल्कि गुरु महाराज के शिक्षा, सेवा और समानता के संदेश को सम्मान देने का कार्य होगा।

अनिल जयभारत ने कहा कि स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती जी ने नारी शिक्षा, सामाजिक समरसता और मानव सेवा को अपने उपदेशों का मूल आधार बनाया। आज आवश्यकता है कि समाज और युवा पीढ़ी सतगुरु महाराज के बताए मार्ग पर चलते हुए नशा, पाखंडवाद, आडंबरों, भेदभाव और कुरीतियों से दूर रहकर शिक्षा और सेवा को अपनाए। उन्होंने सरकार से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए मेडिकल यूनिवर्सिटी का नामकरण जगतगुरु ब्रह्मानंद सरस्वती जी के नाम पर करने की मांग की और कहा कि इससे क्षेत्र का गौरव बढ़ेगा तथा आने वाली पीढ़ियों को महान संत के विचारों से प्रेरणा मिलेगी।

इस मौके पर जगह जगह कांग्रेस नेता का शॉल और पगड़ी से स्वागत हुआ और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

राजौंद नगर पालिका के जेई से मारपीट व सरकारी कार्य में बाधा, चार नामजद आरोपियों पर मामला दर्ज

नगर पालिका कार्यालय में हुए विवाद के बाद पुलिस ने बीएनएस की कई धाराओं में दर्ज किया मुकदमा, जांच एसआई पवन कुमार को सौंपी

एसबी ब्यूरो

राजौंद। नगर पालिका राजौंद में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता (जेई) अश्वनी के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में थाना राजौंद में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना के चलते सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न हुई, जिस पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका राजौंद में तैनात जेई अश्वनी कुमार ने थाना राजौंद में दी शिकायत में बताया कि वह दिनांक 23 दिसंबर को नगर पालिका क्षेत्र में सरकारी ड्यूटी पर थे। इस दौरान वह वार्ड नंबर 01 में स्थित गली में संबंधित कार्य का निरीक्षण कर रहे थे। उनके साथ नगर पालिका के अन्य कर्मचारी भी मौके पर मौजूद थे।

शिकायत के अनुसार इसी दौरान वार्ड नंबर 10 के पार्षद प्रतिनिधि सहित कुछ लोग मौके पर पहुंचे और बिना किसी कारण के उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि आरोपियों ने हाथापाई की, थप्पड़ मारे और जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, आरोपियों ने भविष्य में यहा दिखाई देने पर जानी माली नुकसान पहुंचाने की धमकी दी है। इस घटना के कारण सरकारी कार्य को बीच में ही रोकना पड़ा।

पीड़ित जेई ने बताया कि आरोपियों के इस व्यवहार से न केवल उन्हें मानसिक व शारीरिक क्षति पहुंची, बल्कि नगर पालिका का कार्य भी बाधित हुआ। घटना के बाद उन्होंने लिखित शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार इस मामले में नपा उपप्रधान पुत्र मंजीत राणा, विकास राणा (पार्षद वार्ड एक), रामनिवास उर्फ नत्था तथा आर्यन को नामजद आरोपी बनाया गया है। सभी आरोपी राजौंद क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। थाना राजौंद पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 121 (1), 132, 221, 351(2) व 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अभियोग संख्या 250 दिनांक 24 दिसंबर को पंजीकृत की गई है।

पुलिस ने मामले की जांच उप निरीक्षक पवन कुमार को सौंपी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के बाद नगर पालिका कर्मचारियों में रोष देखा जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि सरकारी ड्यूटी के दौरान इस प्रकार की घटनाएं निंदनीय हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी सरकारी कर्मचारी अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान असुरक्षित महसूस न करे। मामले के बारे में थाना प्रभारी राजौंद एस आई सतपाल शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि नपा राजौंद जेई अश्विनी की शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लघु सचिवालय के सभागार में मनाया जाएगा जिला स्तरीय सुशासन दिवस: डीसी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी पंचकूला में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम से विडियो कांफ्रेस के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। वहीं जिला स्तरीय कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद राम चंद्र जांगड़ा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं विधायक सतपाल जांबा, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व विधायक लीला राम, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए अतिरिक्त उपायुक्त को ओवर ऑल इंचार्ज बनाया गया है। इसके

डीसी कैथल अपराजिता।

अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों की डयूटियां लगाई गई है।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/ कोरसपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: 9871221635

वैदिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मनाया क्रिसमस डे व तुलसी दिवस

संजना भारती संवाददाता

असंध। वैदिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बल्ला में क्रिसमस डे व तुलसी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने सांता क्लॉज की वेशभूषा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। विद्यार्थियों ने प्रभु यीशु मसीह के जीवन, प्रेम, शांति और सेवा के संदेश पर आधारित कविताएं, गीत एवं लघु नाटिका प्रस्तुत की। विद्यालय के प्रबंधक विकास मान ने तुलसी के पौधे के धार्मिक एवं औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को क्रिसमस दिवस व तुलसी पूजन के महत्व से अवगत कराया। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रीति मान ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, आपसी भाईचारे एवं भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान को बढ़ावा देते है। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र श्योकंद ने विद्यार्थियों को तुलसी के अनेक गुणों के बारे में बताया।